


फर्द अहकाम  
(नियम 26)

अज अदालत ..... मुकाम .....  
 उपलब्ध अधिकारी वपाना  
 मोहम्मद आदि बनाम .....  
 किस्म मुकदमा ..... नं. ..... सेन .....  
 प्र. 136 उत्तर 23/12/20

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
24/11/20	<p>प्राथमिक पत्र दर्ज रजिस्ट्रार है। प्राथमिक पत्र सिविल नसीबदार वपाना के खिलाफ व नौबत की स्थिति है। अलग आवेदन पत्रावली दिनांक 10/11/20 को पेश है।</p> <p>10/11/20 पीठासीन अधिकारी ..... है          पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 10/11/20 को पेश है          18/11/20</p> <p>सिडर          एस0डी0ओ0/एस0डी0एम0 बयाना</p>	<p>18-12-2020</p>
18/11/2020	<p>पीठासीन अधिकारी ..... है          पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 15/11/20 को पेश है</p> <p>सिडर          एस0डी0ओ0/एस0डी0एम0 बयाना</p>	
14/11/21	<p>उक्त प्रमाण उक्त मार वपाना के खिलाफ नौबत की स्थिति जारी व धर है। नौबत जारी है परन्तु दिनांक 18/11/21 को पेश है।</p>	
18/11/21	<p>उक्त प्रमाण उक्त मार वपाना ने पेश है। नौबत की स्थिति उक्त दिनांक जारी है। नौबत व धर है व जारी व धर</p>	

मुं० न० 23120 970 136 12 नमूने  
 मोहर सिंह पी० ए० सरकार

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व अहकाम हुक्म की में जारी तारीख हुक्म
27/1/21	<p>                         सुनी-गई प्रमाणों वाले आदेश दिनांक                          27/1/21 को फिलहाल                     </p> <p>                         प्रमाण प्रेष हुआ। रखवोके प्रकाश उपाधिक प्रमाणों                          द्वारा प्रामाण्य प्राप्त आए 131, 136 UR नमूने के तहत                          प्रेष कर विवेकन किया है कि ग्राम नगला रुपतहानी एन                          में प्रान्त ए० न० 305 (स्वा 6 विस्वा- पु० न० 305/96                          96                          रक्वा 6 विस्वा गिनको नम्बरा पीट में आउते हैं।                          उक्त रखरा नम्बर का स्व लोहेदार गोडुल पुत्र रातदि                          जाति बाबड जिवासी नगला रुपतहानी एन का उक्त                          प्रान्त ए० न० 305 रक्वा 6 विस्वा का कन्वर्जन                          कर विपणन सा 96 कर लिया। स्व लोहेदार गोडुल                          पुत्र रातदि द्वारा प्रामाण्य के एक में सम्पूर्ण                          रक्वा 6 विस्वा कन्वर्जन सुदा का दिनांक 28/1/1997                          को प्रामाण्य के एक में पंजीकृत करा दिया। उस स्थान                          पर पक्का मकान गानेर कर लिया जो उस समय                          प्रान्त नम्बरा में ए० न० 305/96 को दिखाया गया है।                          दोराने सौलझेन उक्त रखरा नम्बर के नए ए० न०                          नम्बर 103, 105 निर्मित हुए दोनो ए० न० नम्बर                          का रक्वा 6 विस्वा + 6 विस्वा ही वा पान्त वरुकेपन                          करी-चाहिये की सहजन गन्ती के कारण जिस स्थान                          पर प्रान्त नम्बरा में ए० न० 305/96 अंकन हो                          रहा था उक्त वक्त 103 कर दिया जो प्रान्त                          ए० न० 303 स्व नम्बरा में प्रामाण्य कर रहा था                          96                          उक्त स्थान पर नका रखरा नम्बर 105 दिनांक                          यानी उल्टा अंकन हो गया। क्योकि प्रान्त ए० न०                          नम्बर 305 के स्थान पर हाल ए० न० 105 का                          96                          अंकन होना था। जिस स्थान पर ए० न० 304                          नम्बरा गया है उस स्थान पर नका ए० न० 103                          का अंकन होना चाहिये था।                          दिनांक 10/1/2020 को ए० न० 103 के प्रामाण्य                     </p>	

उपस्थित अधिकारी  
 बयान ( भरतपुर )

लगातार ---

सुं० २३१२० प्र० १३६ ए० ए०

मौहर सिंह व/र सांख्यार

नम्बर व तारीख  
अहकाम जो इस  
हुकम की तामील  
में जारी हुए

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
लगातार ---	<p>ह्राय व मुआय नगला खुसानीपूर चमकीपी है कि अब हम तुमको बेदखल कर देने मवान दे विवाह करे है। अत में आपना पत्र प्रार्थना स्वीकार कर नए ख० न० १०३, १०५ काके शाह नगला खुसानी रात को घप्पा स्थान अफनं किए जाने का विवेकन किया है।</p> <p>आपना पत्र पेश होने पर ज्जि एडिस्टर कर आपना पत्र अमुसाए तहसीलदार वपाना के लिाई व मोके की रिपोर्ट चाली गई। तहसीलदार वपाना के पत्रांक १८१ २०२०/५६५ दिनांक ०१/१०/२०२० से रिपोर्ट प्राप्त हुई। तहसीलदार वपाना की रिपोर्ट अमुसाए ख० न० <math>\frac{३८३}{९६}</math>, <math>\frac{३०५}{९६}</math> के नवीन ख० न० <math>\frac{१०५}{०.०५}</math>, <math>\frac{१०३}{०.०५}</math> बनाए गए है वर्तमान जमाने में मोकुल के वारिसान के नाम निदान डेई, चमेन्द्र, जीत कुमार, जीतेन्द्र कुमार पिछान सूरजमल, राकतन, रीकर, बालगान पिछान मोकुल, चामंड विवाही - नगला खुसानीपूर के नाम दर्ज लिाई है। ख० न० <math>\frac{३०५}{९६}</math>, आपसीय प्रमोजगामी, धूनी का वपनामा दिनांक २०१५/१९७ खातेदारान मोकुल ने मौहर सिंह को २१३.२२ व० गज का एक एकाट व धूमिली-सम्पाने को ३६.५५ व० गज एकाट का बेचान किया जिस पर फेराओं द्वारा मोके पर पत्रका भवन निर्माण कर लिया है। प्र-प्रमना के दरख ३०३ का नवीन ख० न० १०५ व ख० न० <math>\frac{३८५}{९६}</math> का नवीन ख० न० १०५ बनाए गए है। उक्त दोनों खसरा नम्बरे (नवीन) को नए खसरा में आपस में करल किया है जयके पहले नम्बरे में दोनों खसरा नम्बर अपनी जगह सही है। आपना प्रार्थना-ह्राय उक्त खसरा नम्बरान के वर्तमान खातेदारान को पक्षाच्छ नहीं बनाया है।</p> <p>हमने ए० ५० प्रार्थना को एक पक्षीय सुना। ए० ५० प्रार्थना ह्राय प्रस्तुत आपना पत्र आदेश ६०५०१७८९८ पर पी वरत सुनी। आपना पत्र आदेश ६०५०१७८९८ स्वीकार किया गला है। आपना पत्र अमुसाए छल आपना पत्र में प्रुह कर ख० न० ३८५ के स्थान पर</p>	

उपरोक्त अधिकारी  
बयाना (भरतपुर)

